vinetur

2021 के बाद से प्राइम बॉर्दो अंगूर-बागों का मूल्य आधे से भी अधिक गिरा

पॉइयाक और मार्गो में वास्तविक मूल्य लगभग 50% घटे ; कमजोर निर्यात, कीमतों पर घटता नियंत्रण और लंबे आपूर्ति-मांग असंतुलन का असर

सोमवार, 16 नवंबर 2026



फ्रांस ने 2026 के वाइन उत्पादन के अपने अनुमान को बढ़ाया है, लेकिन बेहतर परिदृश्य से उसके सबसे महत्वपूर्ण वाइन क्षेत्रों में से एक पर दबाव कम होता नहीं दिख रहा। नए आंकड़े बताते हैं कि बॉर्दो केवल कमजोर बिक्री और निर्यात से ही नहीं जूझ रहा है। उसके कुछ सबसे प्रसिद्ध अपीलासियों में अंगूर-बागों की जमीन का वास्तविक मूल्य भी 2021 के बाद से तेजी से गिरा है।

फ्रांस के कृषि मंत्रालय ने 6 नवंबर को कहा कि अब देश में वाइन उत्पादन 36.7 मिलियन हेक्टोलिटर रहने का अनुमान है, जो एक महीने पहले लगाए गए 34.9 मिलियन हेक्टोलिटर के अनुमान से अधिक है। इस बढ़े हुए अनुमान के बावजूद, उत्पादन 2021-2025 के औसत से 10% कम रहेगा। हालांकि, यह 2025 की फसल से 3% अधिक होगा, जो कई दशकों की सबसे कमजोर फसलों में से एक थी।

राष्ट्रीय आंकड़ों के पीछे क्षेत्रों के बीच व्यापक अंतर छिपा है। लैंगेडॉक-रूसियों में पिछले साल की फसल के मुकाबले 25% की रिकवरी का अनुमान है। बॉर्दो का उत्पादन 2025 से 10% बढ़ने की संभावना है, हालांकि यह हाल के ऐतिहासिक

औसत से नीचे ही रहेगा। इसके उलट, बरगंडी-बोजोले क्षेत्र में बेहद गर्म और शुष्क बढ़वार के मौसम के बाद उत्पादन एक साल पहले की तुलना में 22% घटने का अनुमान है।

बरगंडी में 2026 का मौसम असामान्य रूप से जल्दी शुरू हुआ। Comité des Vins de Bourgogne के अनुसार, क्रेमां के लिए कटाई 8 अगस्त को माकोने में शुरू हुई और कुछ दिनों बाद बिना बुलबुले वाली वाइन के अंगूरों की कटाई हुई। व्यापार संगठन ने कहा कि सर्दियों में जमा पानी ने बेलों को गर्मियों के तनाव से निपटने में मदद की, जबकि शुष्क परिस्थितियों ने प्रमुख फफूंदजनित रोगों का दबाव सीमित रखा। शुरुआती आकलनों में अंगूर स्वस्थ और अच्छी सघनता वाले बताए गए, लेकिन ये उत्पादकों की शुरुआती राय थी, विंटेज पर अंतिम फैसला नहीं।

बोर्गोन-फ्रांश-कॉंते के क्षेत्रीय कृषि अधिकारियों ने उत्पादन की मात्रा को लेकर अधिक सतर्क आकलन दिया है। उनके आंकड़े मात्रा के लिहाज से निराशाजनक फसल की ओर इशारा करते हैं, जिसमें रेड वाइन का उत्पादन विशेष रूप से कमजोर है। इसका मतलब है कि कुछ उत्पादकों के लिए बरगंडी की फसल गुणवत्ता के लिहाज से आकर्षक साबित हो सकती है, लेकिन उपलब्ध आपूर्ति स्पष्ट रूप से कम रहेगी।

बॉर्दो की समस्या केवल फसल के आकार तक सीमित नहीं है। इस साल उत्पादन में अनुमानित बढ़ोतरी का मतलब सामान्य स्थिति में वापसी नहीं है। उत्पादन पांच साल के औसत से 11% नीचे रहने वाला है। इसकी एक वजह यह है कि मांग के साथ आपूर्ति का बेहतर तालमेल बैठाने के लिए जान-बूझकर अंगूर-बागों का क्षेत्रफल घटाया गया है।

दबाव का सबसे स्पष्ट संकेत शायद जमीन की कीमतों में दिखता है। फ्रांस की कृषि सांख्यिकी एजेंसी Agreste के आंकड़ों को American Association of Wine Economists ने दोबारा तैयार किया और 2025 की कीमतों के आधार पर मुद्रास्फीति के लिए समायोजित किया। इनके मुताबिक, 2021 से 2025 के बीच मानक अंगूर-बागों का मूल्य तेजी से गिरा। पॉइयाक में प्रति हेक्टेयर औसत संदर्भ मूल्य लगभग €3.41 मिलियन से घटकर €1.7 मिलियन रह गया, यानी 50.1% की गिरावट। मार्गो में यह €1.70 मिलियन से घटकर €800,000 रह गया, यानी 53.1% की गिरावट।

बॉर्दो के अन्य अपीलासियों में भी बड़ी गिरावट दर्ज की गई। सेंट-एमिलियों में मूल्य €340,900 से घटकर €200,000 प्रति हेक्टेयर रह गया, यानी 41.3% की गिरावट। सोतेर्न में यह €34,100 से घटकर €20,000 रह गया, जो 41.3% कम है। गिरोंद के सभी AOP अंगूर-बागों में औसत संदर्भ मूल्य €149,600 से घटकर €85,600 प्रति हेक्टेयर रह गया, यानी 42.8% की गिरावट।

ये आंकड़े हर अंगूर-बाग के सौदे में चुकाई गई कीमत नहीं दर्शाते, न ही ये सबसे प्रसिद्ध एस्टेट का प्रत्यक्ष मूल्यांकन हैं। शीर्ष अपीलासियों में बिक्री अपेक्षाकृत कम होती है और अलग-अलग संपत्तियों के सौदे क्षेत्रीय औसत से बहुत अलग कीमतों पर हो सकते हैं। फिर भी, इस रुझान को नजरअंदाज करना मुश्किल है। लंबे समय तक प्राइम बॉर्दो जमीन को मूल्य सुरक्षित रखने का टिकाऊ साधन मानने वाला बाजार अब भविष्य के मुनाफे को लेकर कमजोर उम्मीदों को दर्शा रहा है।

इसका असर केवल जमीन-मालिकों तक सीमित नहीं है। अंगूर-बागों का मूल्य उधार लेने की क्षमता, निवेश के फैसलों, बैलेंस शीट और एस्टेट की बिक्री की शर्तों को प्रभावित करता है। वाइन कारोबार के लिए संपत्तियों के आधार मूल्य में कमी से वित्तपोषण, एकीकरण और बाजार में खरीदारों की रुचि पर असर पड़ सकता है—खासकर ऐसे क्षेत्र में, जो पहले ही अतिरिक्त उत्पादन क्षमता घटाने की कोशिश कर रहा है।

निर्यात के आंकड़े बताते हैं कि इन उम्मीदों में बदलाव क्यों आया है। DRAAF Nouvelle-Aquitaine के आंकड़ों के अनुसार, 2025 के अंत में बॉर्दो वाइन का निर्यात लगभग 1.36 मिलियन हेक्टोलिटर था, जिसका मूल्य करीब €2 बिलियन था। 2024 की तुलना में मात्रा 9% और मूल्य 7% घटा।

बॉर्दो के कुछ सबसे बड़े विदेशी बाजारों में तेज कमजोरी आई। चीन को निर्यात मात्रा में 34% और मूल्य में 27% गिरा। अमेरिका को भेजी गई खेप मात्रा में 14% और मूल्य में लगभग 32% कम हुई। कनाडा उल्लेखनीय अपवाद रहा, जहां

निर्यात मात्रा में 12% और मूल्य में 18% बढ़ा।

दबाव यहीं नहीं थमा। जुलाई में समाप्त 12 महीनों के दौरान बॉर्दो का निर्यात घटकर लगभग 1.31 मिलियन हेक्टोलिटर रह गया, जिसका मूल्य €1.82 बिलियन था। पिछली 12-महीने की अवधि के मुकाबले मात्रा 7% और मूल्य 14% कम हुआ। मात्रा के मुकाबले मूल्य में तेज गिरावट बताती है कि कीमतें तय करने की क्षमता कमजोर हुई है, जिससे उत्पादकों पर आर्थिक दबाव और बढ़ा है।

इसकी एक वजह यह है कि बॉर्दो रेड वाइन पर काफी निर्भर है, जबकि कई बाजारों में इस श्रेणी की खपत घट रही है। क्षेत्र ने अंगूर-बागों का बड़े पैमाने पर क्षेत्रफल घटाकर जवाब दिया है। DRAAF Nouvelle-Aquitaine ने बताया कि मई तक गिरोंद में सरकारी सहायता वाले बेल उखाड़ने के कार्यक्रमों के तहत 12,284 हेक्टेयर अंगूर-बाग हटाए जा चुके थे। लगभग 8,700 हेक्टेयर और सरकारी सहायता के बिना हटाए गए। इस तरह अगस्त 2023 से मई के बीच हटाया गया कुल क्षेत्र करीब 21,000 हेक्टेयर हो गया।

सरकारी लक्ष्य केवल छोड़े गए अंगूर-बागों से जुड़े फसल-स्वास्थ्य जोखिमों को घटाना नहीं था, बल्कि उत्पादन क्षमता और बाजार की मांग के बीच असंतुलन कम करना भी था। फिर भी, केवल क्षेत्रफल घटाने से वितरण, बाजार में उत्पाद की स्थिति और उपभोक्ताओं की बदलती पसंद से जुड़ी समस्याएं हल नहीं हो सकतीं। 2026 की बड़ी फसल कमजोर वर्षों के बाद कुछ उत्पादकों की मदद कर सकती है, लेकिन कमजोर बाजार में बिक्री न सुधरने पर इससे कीमतों पर दबाव भी बढ़ सकता है।

बरगंडी पर अलग तरह के दबाव हैं। वहां भी अंतरराष्ट्रीय मांग कमजोर हुई है, लेकिन कुल मिलाकर उसका निर्यात प्रदर्शन अधिक मजबूत रहा है। Comité des Vins de Bourgogne ने कहा कि 2025 में बरगंडी वाइन का कुल निर्यात मात्रा में 3.7% बढ़ा, जबकि मूल्य में 1.8% घटकर लगभग €1.617 बिलियन रह गया।

हालांकि, इस कुल आंकड़े में रेड वाइन अधिक कमजोर रही। American Association of Wine Economists द्वारा संकलित फ्रांसीसी सीमा-शुल्क आंकड़ों के अनुसार, 15% तक अल्कोहल वाली बोतलबंद बरगंडी AOP रेड वाइन का निर्यात मूल्य 2024 के €740.70 मिलियन से घटकर 2025 में €700.73 मिलियन रह गया। यह 5.4% की गिरावट थी।

इस श्रेणी के बरगंडी के दो प्रमुख बाजारों में सबसे अधिक गिरावट आई। अमेरिका में बिक्री €156.33 मिलियन से घटकर €128.70 मिलियन रह गई, यानी 17.7% की कमी। ब्रिटेन को निर्यात €111.23 मिलियन से घटकर €95.41 मिलियन रह गया, यानी 14.2% की गिरावट। इन दोनों बाजारों में कुल मिलाकर €43 मिलियन से अधिक की कमी आई—जो इस पूरी श्रेणी की शुद्ध गिरावट से ज्यादा थी। इसका मतलब है कि अन्य बाजारों में हुई बढ़ोतरी ने नुकसान की कुछ भरपाई की।

जापान का प्रदर्शन लगभग स्थिर रहा और निर्यात 1% बढ़कर €71.20 मिलियन पहुंचा। हांगकांग में 13.4% की बढ़ोतरी के साथ यह €60.82 मिलियन रहा। कनाडा में 8.8% की वृद्धि के साथ €26.86 मिलियन रहा। सिंगापुर में भी बढ़ोतरी हुई, जबकि इटली में निर्यात 13.7% बढ़कर €11.75 मिलियन और स्पेन में छोटे आधार से 22.9% बढ़ा। चीन में 6.7%, ताइवान में 15.6% और दक्षिण कोरिया में 14.6% की गिरावट आई। आंकड़ों में शामिल बरगंडी रेड वाइन के निर्यात मूल्य में अमेरिका का हिस्सा अब भी लगभग 18% था। इससे पता चलता है कि अधिक विविध निर्यात बाजारों के बावजूद अमेरिकी बाजार कितना महत्वपूर्ण बना हुआ है।

बरगंडी का कारोबारी मॉडल भी बॉर्दो से अलग है। यह क्षेत्र लंबे समय से सीमित आपूर्ति, अत्यधिक खंडित अपीलासियों और खास टेरोआर तथा क्लिमा के लिए मजबूत वैश्विक मांग पर निर्भर रहा है। इस ढांचे ने खास तौर पर मांग वाले लेबलों का मूल्य बनाए रखने में मदद की है। लेकिन इससे यह क्षेत्र बाजार में सुस्ती से अछूता नहीं हो जाता।

बरगंडी के व्यापार संगठन ने मार्च में कहा कि 2025-2026 अभियान के पहले छह महीनों में एस्टेट से बोतलबंद वाइन की निकासी एक साल पहले के 304,197 हेक्टोलिटर से घटकर 286,460 हेक्टोलिटर रह गई, यानी लगभग 5.8% की गिरावट। ये आंकड़े अंतिम उपभोक्ता बिक्री के बजाय एस्टेट से वाइन की निकासी मापते हैं, फिर भी आपूर्ति श्रृंखला के

शुरुआती चरण में सतर्क मांग की ओर इशारा करते हैं। इसी दौरान थोक वाइन, मस्ट और अंगूर की आवाजाही बढ़ी, जिसे 2025 की बड़ी फसल से मदद मिली। व्यापार संगठन ने कहा कि भंडार का स्तर हाल के अधिक सामान्य स्तरों के करीब लौट आया है।

बॉर्दो और बरगंडी के बीच का अंतर दिखाता है कि फ्रांस की वाइन संबंधी मुश्किलें हर जगह एक जैसी नहीं हैं। बॉर्दो आपूर्ति और मांग के संरचनात्मक असंतुलन से जूझ रहा है, जिसका असर निर्यात, मार्जिन और अंगूर-बागों की संपत्तियों के मूल्य पर पड़ रहा है। बरगंडी को कमजोर मांग और जलवायु से जुड़ी अनिश्चितता का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन उसे कमी और अपीलासी की पहचान पर आधारित आपूर्ति मॉडल का लाभ अब भी है। व्यावहारिक रूप से, इसका मतलब है कि बॉर्दो कमजोर बाजार में ऐतिहासिक रूप से बड़े रेड वाइन उत्पादन को बेचने की कोशिश कर रहा है, जबकि बरगंडी कम और कम अनुमानित मात्रा के साथ मूल्य तथा बाजार हिस्सेदारी बनाए रखने की कोशिश में है।